This question paper contains 4+2 printed pages]

(4) 18/12/17

Roll No. | | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **2484**

Unique Paper Code : **62134309** **HC**

Name of the Paper : **Sanskrit Drama (DSC-3)**

Name of the Course : **B.A. (Prog.) Sanskrit Discipline (CBCS)**

Semester : **III**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **75**

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

Note :— Unless otherwise required in a question, answers should be written in Sanskrit *or* in Hindi *or* in English; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी :— अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत **या** हिन्दी **या** अंग्रेज़ी किसी एक भाषा में दीजिए; परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Answer *All* questions.

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

DESHBANDHU COLLEGE LIBRARY Kalkaji New Delhi-19

P.T.O.

1. खण्ड 'अ' तथा खण्ड 'ब' प्रत्येक में से किन्हीं **दो-दो** पद्यों का अनुवाद कीजिए : 4+4+4+4=16

Translate any *two* from Part 'A' and Part 'B' each :

खण्ड 'अ'

(Part 'A')

(*i*) पातुं न प्रथमं व्यवस्यति जलं युष्मास्वपीतेषु या
नादत्ते प्रियमण्डनापि भवतां स्नेहेन या पल्लवम्।
आद्ये वः कुसुमप्रसूतिसमये यस्या भवत्युत्सवः
सेयं याति शकुन्तला पतिगृहं सर्वैरनुज्ञायताम्॥

(*ii*) उद्गलितदर्भकवलाः मृग्यः परित्यक्तनर्तनाः मयूराः।
अपसृतपाण्डुपत्रा मुंचन्त्यश्रूणीव लताः॥

(*iii*) शुश्रूषस्व गुरुन् कुरु प्रियसखीवृत्तिं सपत्नीजने
भर्तुर्विप्रकृतापि रोषणतया मा स्म प्रतीपं गमः।
भूयिष्ठं भव दक्षिणा परिजने भाग्येष्वनुत्सेकिनी
यान्त्येवं गृहिणीपदं युवतयो वामाः कुलस्याधयः॥

(*iv*) शममेष्यति मम शोकः कथं नु वत्से त्वया रचितपूर्वम्।
उटजद्वारविरूढं नीवारबलिं विलोकयतः॥

खण्ड 'ब'

(Part 'B')

(*i*) कर्णौ त्वरापहृतभूषणभुग्नपार्शौ
संस्रंसिताभरणगौरतलौ च हस्तौ।
एतानि चाभरणभारनतानि गात्रे
स्थानानि नैव समतामुपयान्ति तावत्।

(*ii*) नारीणां पुरुषाणां च निर्मर्यादो यदा ध्वनिः।
सुव्यक्तं प्रभावमीति मूले दैवेन ताडितम्॥

(*iii*) अयोध्यामटवीभूतां पित्रा भ्रात्रा च वर्जिताम्।
पिपासार्तोऽनुधावामि क्षीणतोयां नदीमिव॥

(*iv*) समं वाष्पेण पतता तस्योपरि ममाप्यधः।
पितुर्मे क्लेदितौ पादौ ममापि क्लेदितं शिरः॥

2. खण्ड 'अ' तथा खण्ड 'ब' प्रत्येक में से किसी **एक-एक** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 7+7=14

Explain with reference to the context any *one* from Part 'A' and Part 'B' each :

खण्ड 'अ'

(Part 'A')

(*i*) पीड्यन्ते गृहिणःकथं न तनयाविश्लेषदुःखैर्नवैः।

(*ii*) अर्थो हि कन्या परकीय एव तामद्य संप्रेष्य परिग्रहीतुः।
जातो ममायं विशदः प्रकामं प्रत्यर्पितन्यास इवान्तरात्मा॥

(*iii*) अति स्नेहः पापशङ्की।

खण्ड 'ब'

(Part 'B')

(*i*) यदि न सहसे राज्ञो मोहं धनुः स्पृश मा दया
स्वजननिभृतः सर्वोऽप्येवं मृदुः परिभूयते।
अथ न रुचितं मुंच त्वं मामहं कृतनिश्चयो
युवतिरहितं लोकं कर्तुं यतश्छलिता वयम्॥

(*ii*) शरीरेऽरिः प्रहरति हृदये स्वजनस्तथा।
कस्य स्वजनशब्दो मे लज्जामुत्पादयिष्यति।

(*iii*) अल्पं तुल्यशीलानि द्वन्द्वानि सृज्यन्ते।

3. प्रश्न संख्या **1** के खण्ड 'अ' तथा खण्ड 'ब' के रेखांकित पदों में से किन्हीं **पाँच** पर व्याकरणात्मक टिप्पणियाँ लिखिए। 5

Write grammatical notes in any *five* of the underlined words in Q. No. **1** Part 'A' and Part 'B'.

4. कण्व का चरित्र-चित्रण कीजिए। 8

Sketch the character of Kanva.

अथवा/*Or*

'तत्रापि च चतुर्थोऽङ्कः' — इस कथन की व्याख्या कीजिए।

Explain the statement — 'तत्रापि च चतुर्थोऽङ्कः'.

5. भास की नाट्यकला की विवेचना कीजिए। 8

Discuss the dramatic style of Bhasa.

अथवा/*Or*

'प्रतिमानाटकम्' नाटक की कथावस्तु लिखिए।

Write the story of drama 'Pratimanatkam'.

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : 2×6=12

Write short notes on any *two* of the following :

(*i*) प्रस्तावना

(*ii*) प्रवेशक

(*iii*) भरतवाक्य

(*iv*) अपवारित।

7. संस्कृत नाटकों की मुख्य विशेषताओं का वर्णन कीजिए। 12

Describe the main features of the Sanskrit Drama.

अथवा/*Or*

निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

भास, हर्ष, भवभूति, कालिदास।

Write short notes on any *three* of the following :

Bhasa, Harsha, Bhavbhuti, Kalidasa.